बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-47
24/01/2019

आप अपने बेटे–बेटियों को पढ़ाएं, यही जननायक के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी :– मुख्यमंत्री

पटना, 24 जनवरी 2019 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित जननायक कर्पूरी ठाकुर की 95वीं जयंती समारोह का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। बिहार प्रदेश जदयू अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित जयंती समारोह में शामिल मुख्यमंत्री ने सबसे पहले जननायक कर्पूरी ठाकुर की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। समारोह में आयोजकों एवं पार्टी नेताओं ने मुख्यमंत्री को पुष्प–गुच्छ, प्रतीक चिन्ह भेंट करने के साथ ही फूलों की बड़ा माला पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने जयंती समारोह के आयोजकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हर वर्ष आज ही के दिन न सिर्फ जननायक कर्पूरी ठाकुर को हमलोग याद करते हैं बल्कि उनके विचारों को जमीन पर उतारने का संकल्प भी लेते हैं। उन्होंने कहा कि जबसे हमने काम संभाला न्याय के साथ विकास को ध्यान में रखते हुए हर तबके और हर इलाके का विकास किया। समाज के हर तबके को अधिकार एवं प्रतिष्ठा दिलाने की दिशा में पूरी मजबूती से काम किया। उन्होंने कहा कि मुझे बेहद खुशी है कि अतिपिछड़ा वर्ग के लोगों ने हमारे काम को समझा जिसका नतीजा है कि अतिपिछड़ा समाज से जुड़े लोगों में अब बड़ी जागृति आई है। समारोह में शामिल लोगों को एकजुट रहने का आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप बंटे रहिएगा तो गलत लोग इसका फायदा उठाएंगे इसलिए आप सभी एकजुट रहिये। उन्होंने कहा कि आप सब में जो जागृति आई है और एकता का भाव जगा है, वह प्रशंसनीय है। मुझे पूरा भरोसा है कि आपकी एकजुटता और जागृति से बिहार और आगे बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के हर तबके के लिए हमने काम किया है, वह चाहे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा, अतिपिछड़ा, अल्पसंख्यक या महिलायें ही क्यों न हों। उन्होंने कहा कि पहले लड़कियां मिडिल स्कूल में पढ़ने नहीं जाती थीं लेकिन जब से हमलोगों ने पोशाक योजना की शुरुआत की उसके बाद मिडिल स्कूल में लड़कियों की संख्या लड़कों के बराबर और कहीं–कहीं अधिक भी हो गयी है। उन्होंने कहा कि 9वीं कक्षा में पढ़ने वाली लड़कियों की संख्या पहले मात्र एक लाख सत्तर हजार थी लेकिन साइकिल योजना शुरू होने के बाद अब 9वीं कक्षा में पढ़ने वाली लड़कियों की संख्या बढ़कर नौ लाख से भी अधिक हो गयी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार देश का पहला राज्य है, जहाँ महिलाओं को हमलोगों ने ग्राम पंचायत और नगर निकायों के चुनाव में 50 प्रतिशत का आरक्षण दिया, जिसका दूसरे राज्यों में भी काफी प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा कि 24 नवंबर 2005 को हमने काम संभाला उसके दो–ढाई महीने के बाद ही ग्राम पंचायत का चुनाव होने वाला था। उस समय किसी प्रकार का आरक्षण नहीं था। हमने अध्यादेश लाकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अतिपिछड़ा और महिलाओं को आरक्षण देकर उसे कानूनी रूप से लागू किया। उन्होंने कहा कि हम बयानबाजी में नहीं काम में यकीन रखते हैं। जननायक कर्पूरी ठाकुर के आरक्षण के फार्मूले को बिहार में लागू किया गया है, जबकि मंडल कमीशन को बी०पी० सिंह की सरकार

ने केंद्र में लागू किया था। उन्होंने कहा कि बिहार में जननायक ने पिछड़े वर्गों के लिए एनेक्सचर–1 और एनेक्सचर–2 दो हिस्सा बनाकर आरक्षण लागू किया और हम चाहते हैं कि केंद्र में भी ऐसा हो। इसके लिए हमलोग पहल भी करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने संविधान में संशोधन कर सवर्ण वर्ग (अनारक्षित वर्ग) के लिए आर्थिक आधार पर 10 प्रतिशत का आरक्षण लागू किया है। इससे सामाजिक और शैक्षणिक आधार पर पूर्व से जो आरक्षण अन्य वर्ग के लोगों को मिल रहा है उसमें कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। इस बात को ठीक ढंग से समझ लीजिये क्योंकि बहुत लोग बहकाने और भ्रम पैदा करने की कोशिश में जुटे हुए हैं। उन्होंने कहा कि आर्थिक आधार पर जो 10 प्रतिशत आरक्षण केंद्र सरकार ने सवर्ण समाज के लोगों के लिए लागू किया है, यह अच्छी बात है और इसे सभी राज्यों को भी लागू करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़े वर्ग के लोगों की जिस प्रकार से आबादी बढ़ रही है, ऐसी परिस्थिति में इसका समाधान निकालने के लिए पूरे देश में जातीय जनगणना आवश्यक है और यह होनी चाहिए। जातीय जनगणना होने से ऐसे लोगों के लिये संविधान में प्रावधान कर उपयुक्त उपाय निकाले जायेंगे ताकि सबको लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रारंभ से ही इन सभी चीजों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है। हम हमेशा लोगों के हक, अधिकार, सम्मान और हिस्सेदारी के लिए न सिर्फ सोचते हैं बल्कि उस दिशा में कदम भी आगे बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि यू0पी0ए0 सरकार ने सामाजिक, आर्थिक और जातीय जनगणना कराई लेकिन आज तक उसे प्रकाशित नहीं किया, फिर ऐसे सर्वेक्षण की क्या आवश्यकता है।

समारोह में शामिल लोगों से अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हर हाल में समाज में शान्ति, सद्भाव एवं भाईचारे का माहौल कायम रहे, इसके लिए आप सभी को सजग रहने की आवश्यकता है क्योंकि कुछ लोग समाज में भ्रम फैलाने एवं तनाव का माहौल पैदा करने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि आज कल नयी तकनीक से कुछ लोग जहाँ एक तरफ समाज में तनाव पैदा करने का अभियान चला रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ आप सभी को समाज में सद्भाव का संदेश पहुँचाने का अभियान चलाना चाहिए। बिहार में साढ़े आठ करोड़ मोबाइल फोन हैं। उन्होंने कहा कि हम टेक्नोलॉजी के खिलाफ नहीं हैं लेकिन नकारात्मक चीजों का लोगों पर बहुत ही जल्द असर होता है जो क्षणिक होता है। सकारात्मक चीजों को लोग देर से समझते हैं लेकिन वह चिरस्थायी होता है। उन्होंने कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर ने जब आरक्षण लागू किया तो उन्हें क्या–क्या नहीं सुनना और सहना पड़ा। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्य है कि 64 वर्ष की उम्र में ही उनका निधन हो गया। अगर वे रहते तो 1990 के चुनाव में उन्हें बिहार का मुख्यमंत्री बनने से कोई रोक नहीं सकता था और वे देश के प्रधानमन्त्री भी बनते। समाज में कटुता की बात उन्होंने कभी नहीं की और वे हमेशा अपनी बातों को पूरी मजबूती के साथ रखते थे। उन्होंने कहा कि कुछ लोग हमेशा वोट के चक्कर में रहते हैं लेकिन हम सभी के बारे में सोचते हैं। उन्होंने कहा कि जनता मालिक है और जनता जबतक चाहेगी हम सेवा करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के बाहर पहले लोग अपनी पहचान छुपाते थे लेकिन अब वे हर जगह शान से रहते हैं। आज जो दिल्ली में सरकार है वह बिहारियों के वोट की बदौलत ही है। अगर एक दिन भी बिहारी दिल्ली में काम ठप्प कर दें तो दिल्ली बंद हो जायेगी। उन्होंने कहा कि हमलोगों के काम से बिहार और बिहारियों की प्रतिष्ठा बढ़ी है। हमलोग पहले की तरह न किसी को फंसाते हैं और न ही किसी को बचाते हैं। अगर कोई दोषी है तो उस पर कार्रवाई सुनिश्चित है और निर्दोष हैं तो उसे कोई परेशान नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि लोग बिहार को पिछड़ा कहते हैं लेकिन वर्ष 2009 से ही बिहार का

विकास दर डबल डिजिट में है और इस बार बिहार का ग्रोथ रेट 11.3 प्रतिशत है, जिसका आकलन एक निष्पक्ष संस्था द्वारा किया गया है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अनाप–शनाप बोलते रहते हैं, उन्हें बोलने की आजादी है। हमलोगों के काम पर इसका कोई असर नहीं पड़ता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1993 में केंद्र में मंडल कमीशन को लागू किया गया। मंडल कमीशन में पिछड़ा, अतिपिछड़ा केटेगरी नहीं है। 24 जनवरी 1993 को जननायक की जयंती के मौके पर ही हमें पता चला कि मंडल कमीशन को बिहार में लागू करने की बात हो रही है, उसी समय हमने साफ कर दिया कि जननायक द्वारा अतिपिछड़ों को जो आरक्षण दिया गया है, अगर उसमें किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ होती है तो उसे हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। उस समय मेरे खिलाफ लोगों को भड़काने के लिए क्या–क्या नहीं किया गया। हम उन सभी चीजों को झेलते रहे लेकिन अपने फैसले पर अडिग रहे। समारोह में शामिल लोगों से आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग क्या करना चाहते हैं, उनका इरादा क्या है, इसे ठीक प्रकार से समझने की जरूरत है। आप सभी को जो सम्मान मिला है, उससे कोई समझौता नहीं करियेगा क्योंकि सत्ता पाने के लिए लोग तरह–तरह की लोक लुभावन बातें कर भ्रम पैदा करेंगे। वे बांटने की कोशिश करेंगे, ऐसे लोगों के चक्कर में मत पड़ियेगा। उन्होंने कहा कि अगर अलग–अलग घर बनायेंगे तो वह काफी छोटा और झोपड़ीनुमा होगा लेकिन अगर आप सभी एकजुट होकर घर बनायेंगे तो वह बहुमंजिली होगी। उन्होंने कहा कि समाज के वातावरण को समझिये और अपने बच्चे–बच्चियों को पढ़ाइये, तभी विकास और आरक्षण का पूरा लाभ आप उठा सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इंटरमिडिएट से आगे की पढ़ाई करने के लिए स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से 4 लाख रूपये के ऋण की व्यवस्था 4 प्रतिशत के साधारण ब्याज दर पर की गयी है, जिसमें लड़कियों, दिव्यांगों एवं ट्रांसजेंडरों को 1 प्रतिशत के ब्याज पर ऋण मुहैया कराने का प्रावधान है। रोजगार मिलने के बाद 82 से ज्यादा किश्तों में ऋण की यह राशि लौटानी है और अगर पढ़ाई के बाद किसी को रोजगार नहीं मिलता है तो ऐसी स्थिति में उसका ऋण माफ करने पर भी विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हर जिले में जननायक के नाम पर अतिपिछड़ा छात्रावास बनाया जा रहा है और हमने अतिपिछड़े के एक छात्रावास में जाकर देखा कि काफी डेडिकेशन के साथ बच्चे वहां पढ़ रहे हैं। मुझे यह देखकर काफी खुशी हुई। उन्होंने कहा कि छात्रावास में रहने वाले बच्चों को पूर्व से मिल रही सुविधाओं के अतिरिक्त हमने प्रतिमाह एक हजार रुपये आर्थिक मदद और 15 किलो मुफ्त में अनाज उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। इसके अलावा संघ लोक सेवा की प्राथमिक परीक्षा पास करने वाले अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अतिपिछड़े समाज के विद्यार्थियों को अंतिम परीक्षा की तैयारी के लिए 1 लाख रुपये, जबकि बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास करने वाले ऐसे विद्यार्थियों को 50 हजार रूपये की सहायता देने का प्रावधान वर्ष 2018 से ही लागू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग छात्रावास में जाकर भी बहकाने में लगे रहते हैं, ऐसे लोगों से बचने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी अपने बेटे–बेटियों को पढ़ाएं, जननायक कर्पूरी ठाकुर के प्रति यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इसके साथ जो भी लोग समाज में तनाव का माहौल कायम करने की कोशिश में लगे हैं, उन्हें आप सभी अपने काम और एक्शन से करारा जबाब दीजिये। उन्होंने कहा कि यह तो एक सांकेतिक कार्यक्रम है लेकिन जब यहाँ से आप अपने घर जायें तो जननायक के विचारों और हमारे काम को घर–घर तक जरुर पहुंचायें।

जयंती समारोह को जदयू प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद श्री वशिष्ठ नारायण सिंह, ऊर्जा मंत्री श्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, जल संसाधन मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, ग्रामीण कार्य मंत्री श्री शैलेश कुमार, खाद्य उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री मदन सहनी, पंचायती

राज मंत्री श्री कपिलदेव कामत, परिवहन मंत्री श्री संतोष निराला, सांसद श्री रामनाथ ठाकुर, विधायक श्री श्याम रजक, पूर्व विधान पार्षद श्री चन्द्रेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी ने भी संबोधित किया। समारोह की अध्यक्षता अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक श्री लक्ष्मेश्वर राय ने की।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री श्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा, विधायक श्री सुबोध राय, विधायक श्री नौशाद आलम, विधायक श्रीमती पूनम देवी, विधायक श्री अभय कुशवाहा, विधान पार्षद श्री संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी, विधान पार्षद श्री विजय कुमार मिश्रा, विधान पार्षद श्री हीरा बिंद, विधान पार्षद श्री सतीश कुमार, विधान पार्षद श्री तनवीर अख्तर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, जदयू अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के सभी जिलाध्यक्ष एवं आमजन उपस्थित थे।

******